

2015-16

Report of analysis to feedback on curriculum collected from different stakeholder

Alumni feedback
Academic year 2015-16
Feedback form = 34

Evolution

क्रं	विवरण	Response परिणाम प्रतिशत			
1	शिक्षको द्वारा ली जाने आंतरिक मूल्यांकन की प्रक्रिया कैसी हैं।	हमेशा अच्छी 45	अच्छी 55	कभी-कभी अच्छी 00	कभी-कभी अनफेयर 00
2	परीक्षा सिस्टम के बारे में आपके क्या विचार हैं।	बहुत अच्छा 25.33	अच्छा 66.67	औसत 6.33	साधारण 2.00
3	पाठ्यक्रम की शैक्षणिक/प्रायोगिक सामग्री की उपलब्धता	उत्कृष्ट 16.66	अच्छा 58.6	औसत 13.33	साधारण 1.4
4	पाठ्यक्रम की वर्तमान समय में उपयोगिता/उपादेयता	उत्कृष्ट 16.67	अच्छा 70.00	औसत 10.33	साधारण 3.00
5	पाठ्यक्रम में विषय की मौलिकता	उत्कृष्ट 33.33	अच्छा 60.67	औसत 3.67	साधारण 3.00
6	पाठ्यक्रम के प्रति छात्रों की रुचि तथा प्रयास	उत्कृष्ट 16.67	अच्छा 72.8	औसत 3.33	साधारण 7.2
7	पाठ्यक्रम द्वारा रोजगार प्राप्त करने की भूमिका/ संभावना	उत्कृष्ट 12.67	अच्छा 70	औसत 13.33	साधारण 4.00
8	क्या शिक्षक पाठ्यक्रम पढाते समय प्रोत्साहित करते हैं	हमेशा 83.33	कभी-कभी 14.00	साधारण 2.7	साधारण 00

समिति सदस्य
प्रो. ललिता वर्मा
प्रो. मुकामसिंह भवर
प्रो. उमरावसिंह बघेल

[Handwritten signatures]

[Handwritten signature]
Principal
Govt. P.G. College,
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खीरगोन
KHEERGAON
(07282) 241562

मूल्यांकन की समीक्षा (2015-2016)

प्राप्त समकों का विश्लेषण करने पर पाया गया कि :-

1. आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली को 55% (अच्छी) विद्यार्थियों ने अच्छी बताया तो 45% ने हमेशा अच्छी बताया। परीक्षा प्रणाली को 66.67% ने अच्छी तो 25.33% ने बहुत अच्छी मात्र 2% ने साधारण बताया है।
2. इसी प्रकार सैद्धान्तिक व प्रायोगिक शैक्षणिक सामग्री को 58.6% ने अच्छा तथा 16.66% ने उत्कृष्ट भी लिखा है।
3. पाठ्यक्रम की वर्तमान में उपयोगिता एवं रोजगार प्राप्ति करने में भूमिका 70% व पाठ्यक्रम के प्रति रूची को 72.8% अच्छा कहा। तथा शिक्षको द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहन 83.33% ने हमेशा देते है। कहा है।

सुझाव :-

1. पाठ्यक्रम में शने: शने: बदलाव करते हुए इसे पूर्णतः रोजगारोन्मुखी किया जाना चाहिए।
2. विश्वविद्यालय द्वारा सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम परीक्षा समाप्ती के 15 दिवस में घोषित किया जाना चाहिए।
3. महाविद्यालय में विद्यार्थी शिक्षक अनुपात बढ़ाया जाना चाहिए वर्तमान में यह बहुत कम है।
4. भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की जानी चाहिए।



प्राचार्य Principal

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खरगोन
KHARGON (M.P.)
(07282) 241562

2016-17

Report of analysis to feedback on curriculum collected from different stakeholder

Alumni feedback

Academic year 2016-17

Feedback form = 30

Evolution

क्र	विवरण	Reponses परिणाम प्रतिशत			
1	शिक्षको द्वारा ली जाने आंतरिक मूल्यांकन की प्रक्रिया कैसी हैं।	हमेशा अच्छी 53	अच्छी 40.8	कभी-कभी अच्छी 7.2	कभी-कभी अनफेय 00
2	परीक्षा सिस्टम के बारे में आपके क्या विचार हैं।	बहुत अच्छा 40	अच्छा 50	औसत 5.8	साधारण 4.2
3	पाठ्यक्रम की शैक्षणिक/प्रायोगिक सामग्री की उपलब्धता	उत्कृष्ट 20.7	अच्छा 60	औसत 14.3	साधारण 5.7
4	पाठ्यक्रम की वर्तमान समय में उपयोगिता/उपादेयता	उत्कृष्ट 20	अच्छा 55.5	औसत 16.3	साधारण 7.2
5	पाठ्यक्रम में विषय की मौलिकता	उत्कृष्ट 18.0	अच्छा 74.2	औसत 4.00	साधारण 3.8
6	पाठ्यक्रम के प्रति छात्रों की रुचि तथा प्रयास	उत्कृष्ट 19.2	अच्छा 70.8	औसत 10.00	साधारण 00
7	पाठ्यक्रम द्वारा रोजगार प्राप्त करने की भूमिका/संभावना	उत्कृष्ट 2.00	अच्छा 50.00	औसत 33.2	साधारण 14.8
8	क्या शिक्षक पाठ्यक्रम पढ़ाते समय प्रोत्साहित करते हैं	हमेशा 65	कभी-कभी 30.02	औसत 14.8	साधारण 00

समिति सदस्य

प्रो. ललिता वर्मा

प्रो. मुकामसिंह भंवर

प्रो. उमरावसिंह बघेल





Principal

पांचायत
Govt. P.T.S. College,

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन

☎ (07202) 241662

मूल्यांकन की समीक्षा (2016-2017)

प्राप्त संमको का विश्लेषण करने पर पाया गया कि :-

1. आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रिया को 53% ने उत्कृष्ट तो 40.8% ने अच्छा बताया। जबकि परीक्षा प्रणाली को ठीक इसके विपरीत 40% बहुत अच्छा तो 50% अच्छा बताया गया।
2. पाठ्यक्रम की शैक्षणिक/प्रायोगिक सामग्री 60% ने अच्छा तो वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रम की उपयोगिता को मात्र 55.5% ही माना है।
3. पाठ्यक्रम के प्रति छात्रों की रुचि 70.8% तथा इसकी रोजगार प्राप्त करने में भूमिका 50% ने अच्छा माना है। अर्थात् पाठ्यक्रम कम के प्रति विद्यार्थियों की रुचि एवं रोजगार की संभावना दोनों में ही कमी आ रही है।
4. शिक्षकों द्वारा अध्यापन के समय 65% शिक्षक हमेशा विद्यार्थियों प्रोत्साहित करते हैं जबकि 30.2% कभी-कभी प्रोत्साहित करते हैं।

सुझाव :-

1. पाठ्यक्रम में बदवाव करते हुए इसे job oriented & Practical based किया जाना चाहिये।
2. महाविद्यालय में केवल वाणिज्य एवं कला संकाय के कुछ विषयों में ही शोध केन्द्र है अन्य विषयों में भी शोध केन्द्र प्रारम्भ करने के प्रयास किये जाने चाहिए।
3. महाविद्यालय में प्रवेश हेतु विज्ञान एवं कला संकाय में सीट वृद्धि की जाना चाहिए प्रवेश से कोई भी छात्र वंचित नहीं रहना चाहिए।


Principal
पाचार्य
Govt. P.G. College,
ARCOLE (M.P.)
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अरगोन
(07282) 241001

2017-18

Report of analysis to feedback on curriculum collected from different stakeholder

Alumni feedback

Academic year 2017-18

Feedback form = 35

Evolution

क्र	विवरण	Reponses परिणाम प्रतिशत			
1	शिक्षको द्वारा ली जाने आंतरिक मूल्यांकन की प्रक्रिया कैसी हैं।	उत्कृष्ट 38.6	अच्छा 56.4	औसत 5.00	साधारण 00
2	परीक्षा सिस्टम के बारे में आपके क्या विचार हैं।	उत्कृष्ट 30.7	अच्छा 66.6	औसत 2.7	साधारण 10.6
3	पाठ्यक्रम की शैक्षणिक/प्रायोगिक सामग्री की उपलब्धता	उत्कृष्ट 40	अच्छा 50.2	औसत 7.00	साधारण 2.8
4	पाठ्यक्रम की वर्तमान समय में उपयोगिता/उपादेयता	उत्कृष्ट 10	अच्छा 60	औसत 18	साधारण 12
5	पाठ्यक्रम में विषय की मौलिकता	उत्कृष्ट 20.00	अच्छा 60.2	औसत 16	साधारण 3.8
6	पाठ्यक्रम के प्रति छात्रों की रुचि तथा प्रयास	उत्कृष्ट 15.00	अच्छा 60	औसत 14	साधारण 00
7	पाठ्यक्रम द्वारा रोजगार प्राप्त करने की भूमिका/संभावना	उत्कृष्ट 4.00	अच्छा 54.00	औसत 34.00	साधारण 8.00
8	क्या शिक्षक पाठ्यक्रम पढाते समय प्रोत्साहित करते हैं	हमेशा 38	कभी-कभी 30.2	औसत 17.8	साधारण 00

समिति सदस्य

प्रो. ललिता वर्गे

प्रो. मुकामसिंह भंवर

प्रो. उमरावसिंह वघेल

Principal

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खरगोन

(07232) 241662

मूल्यांकन की समीक्षा 2017-2018

प्राप्त संमको का विश्लेषण करने पर पाया गया कि :-

1. शैक्षणिक सत्र में ली गई प्रतिक्रिया में 95% विद्यार्थियों ने आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रिया को अच्छा और उत्कृष्ट बताया जबकी 97.3% ने परीक्षा प्रणाली को अच्छा ओर उत्कृष्ट बताया है।
2. शैक्षणिक प्रायोगिक सामग्री को उपलब्धता को भी 90% से अधिक अच्छा एवं उत्कृष्ट बताया है परन्तु पाठ्यक्रम की रोजगार प्रदान करने में भूमिका को मात्र 54% महत्व दिया है।
3. पाठ्यक्रम की मौलिकता भी 82.2% रही है वही 82.2% उत्कृष्ट एवं अच्छा के रूप में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया है।

सुझाव :-

1. पाठ्यक्रम ऐसा बनाया जाये जिसमें स्नातक स्नाकोत्तर की उपाधि के साथ साथ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी हो सके।
2. NCC,NSS प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य हो जिससे विद्यार्थियों में अनुशासन एवं सेवा की भावना जागृत हो।



Principal

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन

KHARGONE (M.P.)

☎ (07282) 241562

2018-19

Report of analysis to feedback on curriculum collected from different stakeholder

Alumni feedback
Academic year 2018-19
Feedback form = 35

Evolution

क्र	विवरण	Reponses परिणाम प्रतिशत			
1	शिक्षको द्वारा ली जाने आंतरिक मूल्यांकन की प्रक्रिया कैसी हैं।	उत्कृष्ट 55	अच्छी 42.2	औसत 4.8	साधारण 00
2	परीक्षा सिस्टम के बारे में आपके क्या विचार हैं।	उत्कृष्ट 30.2	अच्छा 52.8	औसत 13.00	साधारण 4.00
3	पाठ्यक्रम की शैक्षणिक/प्रायोगिक सामग्री की उपलब्धता	उत्कृष्ट 50	अच्छा 40	औसत 06	साधारण 04
4	पाठ्यक्रम की वर्तमान समय में उपयोगिता/उपादेयता	उत्कृष्ट 35.5	अच्छा 45.5	औसत 11.00	साधारण 8.00
5	पाठ्यक्रम में विषय की मौलिकता	उत्कृष्ट 40.00	अच्छा 48.00	औसत 12.00	साधारण 00
6	पाठ्यक्रम के प्रति छात्रों की रुचि तथा प्रयास	उत्कृष्ट 30	अच्छा 38.8	औसत 15.2	साधारण 16.00
7	पाठ्यक्रम द्वारा रोजगार प्राप्त करने की भूमिका/ संभावना	उत्कृष्ट 20	अच्छा 50	औसत 30	साधारण 00
8	क्या शिक्षक पाठ्यक्रम पढाते समय प्रोत्साहित करते हैं	उत्कृष्ट 42.8	अच्छा 40.02	औसत 17.00	साधारण 00

समिति सदस्य
प्रो. ललिता वर्मा
प्रो. मुकामसिंह भवर
प्रो. उमरावसिंह बघेल





Principal

शासकीय स्नातक महाविद्यालय खरगोन
Govt. P.G. College
KHARGONE (M.P.)
☎ (07282) 241562

मूल्यांकन की समीक्षा (2018-2019)

प्राप्त संमको का विश्लेषण करने पर पाया गया कि :-

1. शैक्षणिक सत्र 2018-2019 में भूतपूर्व छात्रों ने उनके अनुभव व प्रतिक्रिया में आंतरिक मूल्यांकन पद्यति को 55% उत्कृष्ट व 42.2% में अच्छी बताया।
2. परीक्षा प्रणाली मात्र 52.8% अच्छी शैक्षणिक सामग्री की उपलब्धता भी 90% एवं पाठ्यक्रम की उपादेयता व रोजगार प्राप्त करने में भूमिका मात्र 70% ही बताया जो वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कम है।
3. 42.8% शिक्षक हमेशा तथा 40% कभी कभी प्रोत्साहित करने हैं प्रतिक्रिया में यह भी पाया गया कि पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थियों की रुचि भी कम होते जा रही है।

सुझाव :-

1. महाविद्यालय में नियमित स्नातक /स्नातकोत्तर उपाधी के साथ साथ सर्टीफिकेट डिप्लोमा तथा एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने चाहिये।
2. प्रतियोगि परीक्षाएँ यथा psc, upsc वैंकिंग की तैयारी के लिये स्वामी विवेकानंद केरियर सेल को साधन सम्पन्न बनाया जाये।
3. महाविद्यालय में रोजगार मार्गदर्शन एवं काउंसिलिंग सेल की प्रथक से स्थापना भी की जाना चाहिए।
4. महाविद्यालय में wifi सुविधा में विस्तार किया जाए।



प्राचार्य,
Principal
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नबरगोन
Govt. College,
KHARGON
1072007 441562

2019-20

Report of analysis to feedback on curriculum collected from different stakeholder

Alumni feedback
Academic year 2019-20
Feedback form = 32

Evolution

क्र	विवरण	Reponses परिणाम प्रतिशत			
		बहुत अच्छा	अच्छा	कभी-कभी अच्छा	कभी-कभी अनफेयर
1	शिक्षको द्वारा ली जाने आंतरिक मूल्यांकन की प्रक्रिया कैसी हैं।	40.00	58	2.00	00
2	परीक्षा सिस्टम के बारे में आपके क्या विचार हैं।	26.8	52.00	13.2	08
3	पाठ्यक्रम की शैक्षणिक/प्रायोगिक सामग्री की उपलब्धता	39	50	6.2	4.8
4	पाठ्यक्रम की वर्तमान समय में उपयोगिता/उपादेयता	25	45.5	12	18.5
5	पाठ्यक्रम में विषय की मौलिकता	30	52	13.5	4.5
6	पाठ्यक्रम के प्रति छात्रों की रुचि तथा प्रयास	32.8	40.00	9.2	18.00
7	पाठ्यक्रम द्वारा रोजगार प्राप्त करने की भूमिका/ सभावना	27.2	34.00	20.00	18.8
8	क्या शिक्षक पाठ्यक्रम पढाते समय प्रोत्साहित करते हैं	58	42	00	00

समिति सदस्य
प्रो. ललिता वर्मा
प्रो. मुकामसिंह भंवर
प्रो. उमरावसिंह बघेल

Principal

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन
P.G. College
KHARGON
(07282) 241562

मूल्यांकन की समीक्षा (2019-2020)

प्राप्त समको का विश्लेषण करने पर पाया गया कि :-

1. महाविद्यालय में प्रतिवर्ष होने वाली आंतरिक मूल्यांकन पद्धति को 98% भूतपूर्व छात्रों ने उत्कृष्ट एवं अच्छी बताया है साथ ही 78.8% छात्रों ने सैद्धांतिक परीक्षा का अच्छा और बहुत अच्छा बताया है। अर्थात् विद्यार्थियों ने आंतरिक मूल्यांकन की पद्धति को सैद्धांतिक से अधिक श्रेष्ठ माना है।
2. शैक्षणिक सामग्री उपलब्धता एवं पाठ्यक्रम की उपयोगिता को 75% से अधिक उत्कृष्ट एवं माना है परन्तु इसमें गतवर्ष के प्रतिशत तुलना कमी आयी है।
3. अध्ययन से यह भी स्पष्ट है कि भूतपूर्व छात्रों की दृष्टि से पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थियों की रुचि में भी कमी आ रही है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम से रोजगार प्राप्त करने की संभावना भी कम होकर 61.2% रह गयी है जबकि शिक्षक हमेशा छात्रों को प्रोत्साहित करने रहते हैं।

सुझाव :-

1. स्मार्ट कक्षाओं की संख्या में वृद्धि हो।
2. शिक्षक व्याख्यान में ICT का उपयोग करे।
3. इण्डोर गेम्स सुविधाओं में वृद्धि हो।
4. P.G. में Sem Exam के परीक्षा परीणाम परीक्षा के पश्चात 15 दिवस में घोषित हो।

Principal

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन
Kharagpur College
(07282) 241562